भारत सरकार
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 390

दिनांक 04 फरवरी, 2025

राष्ट्रीय मखाना अनुसंधान केंद्र

390. श्री गोपाल जी ठाकुर:

क्या **कृषि और किसान कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या दरभंगा स्थित मखाना अनुसंधान केंद्र को राष्ट्रीय महत्व के संस्थान के रूप में विकसित करने की कोई योजना/प्रस्ताव है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(ख) क्या उक्त संस्थान में राष्ट्रीय अनुसंधान केंद्र की आवश्यकताओं के अनुसार मखाना एवं उसके विकास से संबंधित सभी आधारभूत अवसंरचना एवं अन्य सुविधाएं मौजूद हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और अनुसंधान के क्षेत्र में क्या कदम उठाए गए हैं; और

(ग) सरकार द्वारा इस संस्थान के विकास के लिए अब तक वर्षवार और मदवार कुल कितनी राशि खर्च की गई है और इस संस्थान से लाभान्वित होने वाले मखाना उत्पादकों की कुल संख्या कितनी है?

उत्तर

कृषि और किसान कल्याण राज्य मंत्री
(श्री भागीरथ चौधरी)

(क): वर्तमान में दरभंगा स्थित राष्ट्रीय मखाना अनुसंधान केन्द्र को राष्ट्रीय महत्व के संस्थान के रूप में विकसित करने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

(ख): राष्ट्रीय मखाना अनुसंधान केन्द्र (NRCM), दरभंगा दक्ष वैज्ञानिकों की एक टीम से समर्थित है व पूर्ण रूप से सुसज्जित सुविधाओं के साथ मखाना अनुसंधान एवं नवाचार हेतु समर्पित है। इसकी प्रमुख उपलब्धियों में शामिल है : उच्च-उपज वाली मखाना एवं कांटे रहित पानी सिंघाड़ा किस्म को विकसित करना, जल-कुशल एवं एकीकृत खेती प्रणाली लागू करना तथा मखाना खेती सह मत्स्य पालन का शुभारंभ करना। भारतीय कमल, औषधीय पादप जैसे *एकोरस कैलेमस* (मीठा पत्ता) तथा *एलोकेसिया मोन्टाना* की खेती प्रथा को भी स्थापित किया गया है। मखाना की पापिंग हेतु विभिन्न उपकरण/मशीनों तथा मूल्य वर्धित उत्पाद को विकसित किया गया तथा व्यावसायीकरण हेतु निम्नलिखित को लाइसेंस प्रदान किया गया यथा मखाना सीड वाशर, मखाना सीड ग्रेडर, मखाना सीड प्राइमरी रोस्टिंग मशीन, मखाना सीड पॉपिंग मशीन, पोप्पड मखाना ग्रेडर तथा विभिन्न प्रकार के मूल्य संवर्धित उत्पाद। राष्ट्रीय मखाना अनुसंधान केंद्र में हजारों किसानों एवं उद्यमियों को प्रशिक्षित किया गया है जो क्षेत्रीय उद्योग चला रहे हैं तथा जीविकोपार्जन कर रहे हैं। विभिन्न राज्यों में मखाना की खेती लगभग 13,000 से 35,000 हेक्टेयर तक बढ़ गई है।

(ग): मई 2023 से, राष्ट्रीय मखाना अनुसंधान केन्द्र, दरभंगा ने वर्ष 2023-24 के दौरान रूपये 2.65 करोड़ तथा वर्ष 2024-25 (जनवरी 2025 तक) में रूपये 1.27 करोड़ खर्च किया है। विगत पांच वर्षों के दौरान खर्च की गई राशि निम्नवत है:

वित्तीय वर्ष	व्यय (लाख में)
2023-24	265.00
2022-23	15.95
2021-22	17.87
2020-21	23.50
2019-20	18.00
कुल	340.32

विगत कुछ वर्षों में, विभिन्न राज्यों के किसानों, कृषि विज्ञान केन्द्रों तथा संगठनों को 15824.1 किलोग्राम उच्च उपज वाले मखाना बीज वितरित किए गए। महत्वपूर्ण लाभार्थियों में शामिल हैं नाबार्ड जैसे संस्थान, मत्स्य पालन विभाग, बिहार बागवानी विकास सोसायटी तथा बिहार, उत्तर प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ के विभिन्न क्षेत्रों के किसान।

वर्ष 2012 और 2023 के मध्य, राष्ट्रीय मखाना अनुसंधान केन्द्र ने उन्नत मखाना की खेती, प्रसंस्करण तथा विपणन तकनीक, जल कुशल प्रथाओं पर ध्यान केंद्रित करने, फसल प्रणाली तथा पोषण प्रबंधन पर 3000 से अधिक किसानों को प्रशिक्षित किया है। इसके अलावा, राष्ट्रीय मखाना अनुसंधान केन्द्र ने मिथिला नैचुरल्स, मां वैष्णवी मखाना तथा स्वास्तिक फूड ग्रुप सहित 24 उद्यमियों को तकनीकी इनपुट प्रदान किया है तथा मखाना आधारित कारखानों को बढ़ावा दिया है जिसके फलस्वरूप कृषि अर्थव्यवस्था को बल मिलेगा।

****